University in News on 27 May 2021

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि के कुलपति ने की बुद्ध वाटिका की स्थापना

कैलाश छात्रावास के सामने किया पौधारोपण कहा-बुद्ध के संदेश को जीवन में उतारने की मिलेगी प्रेरणा

जासं, लखनऊ : भगवान गौतम बुद्ध की जयंती पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कैलाश छात्रावास के सामने बुद्ध वाटिका की स्थापना की गई। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने पीपल, बरगद, खिरनी, पाकड़ व जामुन के पौधों को लगाया। वाटिका की स्थापना ने विद्यार्थियों के अंदर भगवान बुद्ध के संदेश को उतारने की प्रेरणा मिलेगी। इस वाटिका से देश के पारंपरिक वृक्षों का संरक्षण भी होगा एवं पेड़ क्रांति की शुरुआत भी होगी।

कुलपति ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के महत्वपूर्ण अंग है, उनका संरक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है। भगवान बुद्ध के जीवन की सभी महत्वपूर्ण घटनाएं विभिन्न वृक्षों से संबंधित हैं। उनका जन्म एक शाल वृक्ष की छाया में हुआ। प्रथम समाधि जामुन के वृक्ष के नीचे ली। ज्ञान की प्राप्ति पीपल के वृक्ष की छाया में हुई एवं महापरिनिर्वाण शाल वृक्ष की छाया में हुआ। भ्रमण के दौरान भी वह वृक्षों के नीचे ही रुकते थे। पीपल को बोधि वृक्ष भी कहते हैं, क्योंकि इस वृक्ष की छाया में ध्यान कर भगवान बुद्ध को बैशाख पूर्णिमा की रात्रि को बोधि की प्राप्त हुई थी। हिंदू मान्यता में इस वृक्ष को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

एम.एससी के नौ विषयों के परिणाम जारी

जासं, लखनऊः लखनऊ विवि ने बुधवार देर शाम परास्नातक के नौ और विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। इनमें कुल 256 के सापेक्ष 242 परीक्षार्थी सफल हुए हैं। परिणाम वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एके सक्सेना ने बताया कि एम.एससी के नौ विषयों एम.एससी फिजिक्स तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी बायोस्टैटिस्टिक तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी प्लांट साइंस (न्यू कोर्स), एम.एससी इलेक्ट्रानिक्स (न्यू कोर्स), एम.एससी इनवायरमेंटल साइंस (न्यू कोर्स) तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलाजी तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी न्यूक्लियर मेडिसन तृतीय सेमेस्टर, एम.एससी न्यूट्रीशियन तृतीय सेमेस्टर व एम.एससी रेनेवल एनर्जी तृतीय सेमेस्टर के परिणाम जारी किए गए हैं।

PIONEER PAGE 4

कैलाश छात्रावास में बुद्ध वाटिका स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बुद्ध पूर्णिमा पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कैलाश छात्रावास में बुद्ध वाटिका स्थापित की गई। इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने पीपल, बरगद, खिरनी, पाकड़ एवं जामुन के वृक्षों का रोपण किया गया ।

विवि के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक भगवान बुद्ध के जीवन की सभी महत्व पूर्ण घटनायें विभिन्न वृक्षों से सम्बन्धित है। उनका जन्म एक शाल वृक्ष की छाया में हुआ। उन्होनें प्रथम समाधि एक जामुन के वृक्ष के नीचे ली । ज्ञान की प्राप्ति एक पीपल के वृक्ष की छाया में हुई एवं महापरिनिर्वाण शाल वृक्ष की छाया में हुआ । उनका पूरा जीवन वृक्षों के सानिध्य में ही बीता। भ्रमण के दौरान भी वे वृक्षों के नीचे ही रुकते थे। वे विशेष वृक्ष हैं पीपल, बरगद, जामुन, खिरनी, शाल एवं पाकड़। पीपल को बोधि वृक्ष भी कहते हैं क्योंकि इस वृक्ष की छाया में ध्यान कर भगवान बुद्ध को बैशाख पूर्णिमा की रात्रि को बोधि की प्राप्त हुई थी। हिन्दू मान्यता में इस वृक्ष को भगवान विष्णु का रुप माना जाता है। अपने जीवन काल में भगवान बुद्ध ने बरगद के वृक्ष की छाया में अधिकतर निवास किया। उनका जन्म लुम्बिनी के शाल वन में बैशाख पूर्णिमा को हुआ था। उनके जीवन का अधिकतर समय साल के वनों में बीता। उन्होने अपना जीवन शाल के वृक्ष की छाया में ही त्यागा था। जामुन उनके जीवन की प्रथम समाधि का छाया वृक्ष है। खिरनी के पेड़ो के नीचे भी उन्होने बहुत समय ध्यान में बिताया थाए एवं पाकड़ के वृक्ष के नीचे उपदेश देने के दृष्टांत भी मिलते है। उक्त वृक्षों का रोपण करना और उनके सानिध्य में समय बिताना भगवान बुद्ध के जीवन काल से मानव को जोड़ता है ।

THE PIONEER PAGE 3

Buddha Vatika developed at LU hostel

PNS ■ LUCKNOW

On the occasion of Buddha Purnima, the day Lord Buddha was born, a Buddha Vatika was developed in the Kailash hostel of Lucknow University.

Peepal, Banyan, Khirni, Pakad and Jamun trees were planted by Lucknow University Vice Chancellor Prof Alok Kumar Rai.

"The students living in the hostel will visit the Buddha Vatika and learn about the life of Lord Buddha and their attention will be focused on the teachings of Lord Buddha.

Traditional trees of India will also be protected in this garden and the tree revolution will be initiated. Trees are an important part of our life and their preservation is very important," said Amita Kanaujia, coordinator at the Institute of Wildlife, Lucknow University.

Talking about the Buddha Vatika, she said trees associated with the life of Lord Buddha were planted there.

"He was born in the shadow of a Sal tree. He first started meditating under a Jamun tree. Gained knowledge in the shade of Peepal tree and gained Mahanirvana under the shade of Sal tree. His entire life was connected with trees. He used to stay under trees even during the trips. Those special trees are Peepal, Banyan, Sal, Khirni, Jamun and Pakad" she said.

She said that Peepal was also called Bodhi tree because by meditating in the shadow of this tree, Lord Buddha attained enlightenment in the night of Baisakh Purnima.

LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai planting a sapling

VISHWAVARTA PAGE 5

आयोजन छात्र-छात्राओं की अनुपस्थिति में लविवि में बुद्ध पूर्णिमा मनायी, कैलाश छात्रावास में बुद्ध वाटिका का निर्माण

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुद्ध पूर्णिमा पर किया गया वृक्षारोपण

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। कोरोना काल में छात्र-छात्राओं की अनुपस्थिति में लखनऊ विश्वविद्यालय में बुद्ध पूर्णिमा मनायी गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कैलाश छात्रावास में एक बुद्ध वाटिका का निर्माण किया गया। साथ ही उसमें भगवान बुद्ध के जीवन से सम्बंधित वृक्षों के पौधों को रोपित कर विद्यार्थियों को समर्पित किया गया।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कैलाश छात्रावास के परिसर में पीपल, साल, खिरनी, जामुन, बरगद और पाकड़ जैसे बोधि कहे जाने वाले वृक्षों के पौधों को रोपित किया। उन्होंने बताया कि जब छात्रावास में रहने वाली छात्रायें बुद्ध वाटिका का

भ्रमण करेंगी तो भगवान बुद्ध के जीवन के बारे में जानने का प्रयास करेंगी। उनका ध्यान भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर केंद्रित होगा। साथ ही इस वाटिका के द्वारा भारत के पारंपरिक वृक्षों का संरक्षण भी होगा। इससे वृक्ष क्रांति का शुभारंभ होगा।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय की डॉ. अमिता कनौजिया ने बताया कि भगवान बुद्ध के जीवन की अधिकांश घटनायें वृक्षों के सानिध्य में हुईं। उनका जन्म साल वृक्ष की छाया में, पहली समाधि जामुन के वृक्ष के नीचे, बोधि ज्ञान उनको पीपल के वृक्ष के नीचे तो महानिर्वाण साल के वृक्ष की छाया में हुआ। वे जहां भी रुकते थे तो वृक्ष के नीचे ही रुकते थे। उनके जीवन में वृक्षों का विशेष महत्व था। इसीलिये पीपल, साल, बरगद, पाकड़ जामुन आदि के वृक्षों को बोधि वृक्ष भी कहा जाता है। इसी महत्व को ध्यान में रखते हुये भगवान बुद्ध के जन्म दिवस बुद्ध पूर्णिमा पर विश्वविद्यालय के कैलाश छात्रावास में बुद्ध वाटिका की स्थापना की गयी। साथ ही उसमें अनेकानेक औषधीय महत्व वाले बोधि वृक्षों को रोपित किया गया।